उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2018
(दृष्टि उत्तर प्रदेश डी.एल.पी. से सीधे पूछे गए 80 प्रतिशत प्रश्न)

(सामान्य अध्ययन-I)

1. महात्मा गांधी भारतीय राजनीति के मध्यम-मार्गी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। तर्कपूर्ण व्याख्या कीजिये।

स्रोत: आधुनिक भारत (भाग-2), अध्याय-9, पृष्ठ संख्या-13-16

2. "सांप्रदायिक हिंसा धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा भड़कायी जाती है, असामाजिक तत्त्वों द्वारा प्रारंभ की जाती है, राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा प्रोत्साहित की जाती है, निहित स्वार्थों द्वारा वित्तपोषित होती है।" टिप्पणी कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-8, पृष्ठ संख्या-228-231

3. भारत में स्त्रियों की बदलती प्रस्थिति का मूल्यांकन कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-2, पृष्ठ संख्या-84-96

4. शहरी समस्याओं के समाधान की विवेचना कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-5, पृष्ठ संख्या-159&161-162

5. उत्तर प्रदेश में पाये जाने वाले खनिजों का विवरण दीजिये।

स्रोत: उत्तर प्रदेश (राज्य विशेष), अध्याय-10, पृष्ठ संख्या- 90-93

6. स्मार्ट सिटी विकास हेतु मूल अधोसंरचनात्मक तत्त्व बताएँ।

स्रोत: भारत का भूगोल, अध्याय-12, पृष्ठ संख्या- 108-111

7. भू-मंडलीय ऊष्मन पर टिप्पणी लिखिये।

स्रोत: पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी और आपदा प्रबंधन, अध्याय-11, पृष्ठ संख्या- 197

8. बुंदेलखंड का एक सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में भौगोलिक विवरण प्रस्तुत कीजिये।

स्रोत: कला एवं संस्कृति, अध्याय-4, पृष्ठ संख्या- 68-69

9. "200 वर्षों के ब्रिटिश शासन ने भारतीय अर्थव्यवस्था के मेरुदंड को क्षतिग्रस्त कर दिया था।" व्याख्या कीजिये।

स्रोत: आधुनिक भारत (भाग-1), अध्याय-3, पृष्ठ संख्या- 52-53

10. द्वितीय विश्वयुद्ध को अवश्यंभावी बनाने में हिटलर की भूमिका की विवेचना कीजिये।

स्रोत: विश्व इतिहास, अध्याय-11, पृष्ठ संख्या- 92-99

11. "1857 का विद्रोह भारतीय इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था।" विश्लेषण कीजिये।

स्रोत: आधुनिक भारत (भाग-1), अध्याय-5, पृष्ठ संख्या-92&97-98

12. "धर्मनिरपेक्षतावाद अभिमुखन व व्यवहार के एक समुच्चय के रूप में उदारवादी लोकतांत्रिक भारत के भविष्य के लिये अपरिहार्य है।" विवेचना कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-12, पृष्ठ संख्या-301-302

13. भारतीय महिलाओं पर भूमंडलीकरण के प्रभावों की विवेचना उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-6, पृष्ठ संख्या-184-185

14. वैश्वीकरण क्या है? भारतीय सामाजिक संरचना पर इसके प्रभावों की विवेचना कीजिये।

स्रोत: भारतीय समाज तथा सामाजिक समस्याएँ, अध्याय-6, पृष्ठ संख्या-180-182

15. उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति (2018) के प्राथमिक लक्ष्यों का विवरण दीजिये।

स्रोत: उत्तर प्रदेश (राज्य विशेष), अध्याय-18, पृष्ठ संख्या-207-208

16. वायु-राशि क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

स्रोत: विश्व का भूगोल (भाग-1), अध्याय-3, पृष्ठ संख्या-162-164

17. ज्वालामुखी, भूकंप और सुनामी आपस में कैसे संबंधित हैं? ज्वालामुखी उद्गार के संभावित सभी कारणों पर प्रकाश डालिये।

स्रोत: विश्व का भूगोल (भाग-1), अध्याय-2, पृष्ठ संख्या- 69-76

18. महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति के लिये उत्तरदायी कारकों का उल्लेख कीजिये और अंध महासागर की जलधाराओं के नाम बताइये।

स्रोत:विश्व का भूगोल (भाग-2), अध्याय-5, पृष्ठ संख्या- 22-26

(सामान्य अध्ययन-II)

19. कश्मीर मामले में भारत मध्यस्थता का विरोध क्यों करता है?

स्रोत: भारत और विश्व (भाग-1), अध्याय-4, पृष्ठ संख्या- 111-114

20. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

स्रोत: भारत और विश्व (भाग-2), अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 151-152

21. चुनावी बॉण्ड क्या हैं? क्या ये राजनीतिक वित्त पोषण प्रणाली में पारदर्शिता लाने में सक्षम हैं?

स्रोत: गवर्नेंस एवं संबंधित मुद्दे, अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 184-187

22. भारतीय ग्रामीण जीवन पर स्वयं सहायता समूहों का क्या प्रभाव पड़ा है? वर्णन कीजिये।

स्रोत: सामाजिक न्याय एवं समाज कल्याण, अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 231-232

23. प्रवासी भारतीयों का भारत की आर्थिक व्यवस्था में योगदान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

स्रोत: भारत और विश्व (भाग-2), अध्याय-10, पृष्ठ संख्या- 183-188

24. भारत की संघीय व्यवस्था किस प्रकार से अमेरिकी (यू.एस.ए.) संघीय व्यवस्था से भिन्न है? व्याख्या करें।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-1), अध्याय-2&3, क्रमशः पृष्ठ संख्या- 33&62-64

25. राज्यसभा की उन विशिष्ट शक्तियों का वर्णन कीजिये, जो कि भारतीय संविधान के अंतर्गत लोकसभा को प्राप्त नहीं हैं।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-2), अध्याय-11, पृष्ठ संख्या- 141-142

26. भारत के आम चुनाव में मतदाता निरीक्षण पेपर ऑडिट ट्रायल (VVPAT) के प्रयोग का मूल्यांकन कीजिये।

स्रोत: गवर्नेंस एवं संबंधित मुद्दे, अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 188-190

27. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की संवैधानिक स्थिति का परीक्षण कीजिये।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-3), अध्याय-19, पृष्ठ संख्या- 202-205

28. अफगानिस्तान से अमेरिका की सैन्य वापसी भारत को किस प्रकार प्रभावित करेगी? टिप्पणी कीजिये।

स्रोत: भारत और विश्व (भाग-1), अध्याय-4, पृष्ठ संख्या- 181-183

29. OBOR के आलोक में भारत-चीन संबंधों की प्रकृति की विवेचना कीजिये।

स्रोत: भारत और विश्व (भाग-1), अध्याय-4, पृष्ठ संख्या- 205-206

30. नीति आयोग के गठन के कारण, उद्देश्य एवं कार्यों का उल्लेख करते हुए हाल ही में पुनर्गठित नीति आयोग का 80% विवरण दीजिये।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-3), अध्याय-19, पृष्ठ संख्या- 218-220

31. गरीबी एवं भुखमरी से संबंधित मुख्य मुद्दे क्या हैं?

स्रोत: सामाजिक न्याय एवं समाज कल्याण, अध्याय-10, पृष्ठ संख्या- 288-310

32. ई-गवर्नेंस को स्पष्ट कीजिये। ई-गवर्नेंस की विशेषताएँ एवं लाभ का उल्लेख कीजिये। इसके सम्मुख मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं?

स्रोत: गवर्नेंस एवं संबंधित मुद्दे, अध्याय-4, पृष्ठ संख्या- 47-62

33. भारत के संविधान में समानता के मूलाधिकार की समीक्षा कीजिये।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-2), अध्याय-7, पृष्ठ संख्या- 19-33

34. भारत में वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों के उदय एवं प्रयोग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

स्रोत: भारतीय राजव्यवस्था (भाग-3), अध्याय-13, पृष्ठ संख्या- 56-64

35. भारत में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) के गठन और कार्य का वर्णन कीजिये।

स्रोत: आंतरिक सुरक्षा, अध्याय-9, पृष्ठ संख्या- 173-174

(सामान्य अध्ययन-III)

36. 'भारत में सतत् विकास लक्ष्यों के प्रयास' पर प्रकाश डालिये।

स्रोत: भारतीय अर्थव्यवस्था (भाग-2), अध्याय-13, पृष्ठ संख्या- 142-144

37. भारतीय कृषि में 'तकनीकी मिशन' का तात्पर्य क्या है? इसके उद्देश्यों की विवेचना करें।

स्रोत: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (भाग-2), अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 148-153

38. साइबर सुरक्षा विज्ञान क्या है? इसका महत्त्व बताएँ।

स्रोत: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (भाग-2), अध्याय-7, पृष्ठ संख्या- 95-99

39. जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग जिन क्षेत्रों में हो रहे हैं उनकी चर्चा कीजिये।

स्रोत: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (भाग-1), अध्याय-1, पृष्ठ संख्या- 38-52

40. वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से प्रभावित नागरिकों को सामाजिक और आर्थिक संवृद्धि की मुख्यधारा में लाने की सुधारक रणनीतियों पर चर्चा करें।

स्रोत: आंतरिक सुरक्षा, अध्याय-2, पृष्ठ संख्या- 43&47, 48, 51-57

41. भारत की 'राष्ट्रीय रक्षा परिषद' पर प्रकाश डालें।

स्रोत: आंतरिक सुरक्षा, अध्याय-9,पृष्ठ संख्या- 175

42. उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रमुख प्रावधानों का परीक्षण कीजिये। इसके क्रियान्वयन की प्रस्थिति का उल्लेख करें।

स्रोत: भारतीय अर्थव्यवस्था (भाग-2), अध्याय-15, पृष्ठ संख्या- 207

43. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का उल्लेख करें। खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु किन सुधारों की आवश्यकता है? समझाइये।

स्रोत: भारतीय अर्थव्यवस्था (भाग-2), अध्याय-9, पृष्ठ संख्या- 22-26

44. "सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उपक्रम भारत में आर्थिक संवृद्धि तथा रोज़गार संवर्द्धन के वाहक हैं" इस कथन का परीक्षण कीजिये।

स्रोत: भारतीय अर्थव्यवस्था (भाग-1), अध्याय-6, पृष्ठ संख्या- 206

45. वैश्वीकरण के युग में राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों की विवेचना कीजिये।

स्रोत: आंतरिक सुरक्षा, अध्याय-1, 2 & 3

46. भारत में केंद्र, राज्य तथा जनपद स्तरों पर आपदा प्रबंधन की विवेचना कीजिये।

स्रोत: पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी और आपदा प्रबंधन, अध्याय-13, पृष्ठ संख्या- 271-273

47. वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था के लिये चुनौतियाँ तथा उनके समाधान पर टिप्पणी कीजिये।

स्रोत: आंतरिक सुरक्षा, अध्याय-10, पृष्ठ संख्या- 193-196

(सामान्य अध्ययन-IV)

48. मूल्य क्या हैं? इनके केंद्रीय तत्त्वों पर प्रकाश डालिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-1, पृष्ठ संख्या- 14-17

49. सरकारी एवं निजी संस्थाओं में नैतिक सरोकारों को परिभाषित कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-1, पृष्ठ संख्या- 13-14

50. प्रशासन में सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार क्या है? आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 77-79

51. गांधी के नैतिक एवं सामाजिक विचारों का परीक्षण कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-2, पृष्ठ संख्या- 45-55

52. सिविल सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिये:

(अ) अंतरात्मा

(ब) सेवा भाव

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-6&7, पृष्ठ संख्या- 42-58

53. "लोक सेवा की पहचान समाज के कमज़ोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता एवं करुणा पर आधारित होती है।" इस संदर्भ में सहिष्णुता एवं करुणा के मूल्यों की व्याख्या कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-6, पृष्ठ संख्या- 36-37&41

54. अभिवृत्ति के प्रकार्यों की विवेचना कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-5, पृष्ठ संख्या- 6-8

55. निम्नलिखित में विभेद कीजिये:

(अ) अभिवृत्ति एवं मूल्य (ब) अभिवृत्ति एवं मत।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-5, पृष्ठ संख्या- 25-26

56. "प्रभावी प्रशासन के लिये लोक सेवा के प्रति समर्पण आवश्यक होता है।" व्याख्या कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-6, पृष्ठ संख्या-42-43

57. नीतिशास्त्र एवं नैतिकता में विभेद कीजिये तथा नीतिशास्त्रीय कार्यों के निर्धारक तत्त्वों की व्याख्या कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-1, पृष्ठ संख्या- 5-8

58. "कांट का नीतिशास्त्र आकारवादी एवं कठोरतावादी है।" इस मत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा नैतिक जीवन में कांट के नैतिक सिद्धांत के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-2, पृष्ठ संख्या- 75-78

59. लोक सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाओं की व्याख्या कीजिये। क्या अंतरात्मा उनके समाधान में सहायक होगी? विवेचना कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-7, पृष्ठ संख्या- 50-51&58-60

60. भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ क्या हैं? समाज में उन्हें रोकने के लिये आपके अनुसार क्या कदम उठाने चाहिये? व्याख्या कीजिये।

स्रोत: नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-8, पृष्ठ संख्या- 93&105-107

61. जनसमूह की अभिवृत्ति परिवर्तन में विश्वासोत्पादक संवाद के महत्त्व की विवेचना कीजिये।

स्रोतः नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-5 पृष्ठ संख्या- 11-12 & 20-22

62. "भावनात्मक बुद्धि तत्त्वतः एक सैद्धांतिक सम्प्रत्यय नहीं है, किंतु बहुआयामी सामाजिक कौशल है।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में भावनात्मक बुद्धि की अवधारणा तथा आयामों की व्याख्या कीजिये।

स्रोतः नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-1), अध्याय-3, पृष्ठ संख्या- 84-97

63. सिविल सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता की विवेचना एवं मूल्यांकन कीजिये:

(अ) सत्यनिष्ठा (Integrity)

(ब) निष्पक्षता (Impartiality)

(स) वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

(द) गैर-तरफदारी (Non-partisanship)

स्रोतः नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-6, पृष्ठ संख्या- 32, 37, 39

64. "अभिवृत्तियाँ हमारे अनुभवों का परिणाम हैं।" इस कथन के संदर्भ में अभिवृत्ति निर्माण हेतु उत्तरदायी कारकों की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिये।

स्रोतः नैतिकता, सत्यनिष्ठा व अभिवृत्ति (भाग-2), अध्याय-5, पृष्ठ संख्या- 8-10

दृष्टि The Vision